कन्या राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- गोचरस्थ ग्रहों एवं जन्मराशि के आधार पर इस समय शनि की साढ़े साती चल रही है और गोचर में कुछ अरिष्ट ग्रहों के कारण स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। लगभग शरीर के समस्त भाग में दर्द होंगे। वायुविकार वात-व्याधि की विशेष प्रधानता रहेगी। शरीर में सूजन की मात्रा बढ़कर शारीरिक स्थलता में वृद्धि करेगी। मन्दाग्नि के कारण वायुविकार की उत्पत्ति होगी। बीच-बीच में ज्वरादि के प्रकोपों से भी पीड़ित रहेंगे। कुछ अंशों में मधुमेह अथवा प्रमेह से भी पीड़ित रहेंगे। इस राशि के कुछ लोग रोग रहित रहेंगे, किन्तु धन की विशेष हानि होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। कुछ गोचरीय ग्रहों के कारण अकस्मात् धन की हानि होगी। धन प्राप्ति हेतु किए गये समस्त उपाय निरर्थक होंगे। परिश्रमानुसार धन प्राप्ति में संदेह रहेगा। आय की अपेक्षा व्यय की अधिकता रहेगी। दूसरों को दिये गये धन को प्राप्त करने में सन्देह रहेगा। यह माह धनादिक क्षेत्र के लिए हानिकारक होगा। इस राशि वाले यदि व्यापारी हैं तो व्यापार में हानि की सम्भावना रहेगी और यदि नौकरी करने वाले हैं तो नौकरी में क्षति तथा अधिकारियों से तनाव के कारण आर्थिक क्षेत्र में हानि प्राप्त करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में निरन्तर उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। पारिवारिक जनों में रोगों की अधिकता रहेगी। जीवनसाथी को वातव्याधि के कारण पीड़ित रहना पड़ेगा। कुछ आन्तरिक रोगों का पता लगाना सम्भव नहीं हो पायेगा। पारिवारिक जनों में सामंजस्य का अभाव रहेगा। एकता-अखण्डता में कमी रहेगी। पुत्रगण धैर्य खो बैठेंगे। पुत्रों में नशे की प्रवृत्ति रहेगी। उनकी शारीरिक स्थिति निर्बल रहेगी। परिवार में धन-धान्य की कमी रहेगी। अर्थाभाव के कारण प्रत्येक कार्यों में अवरोध की स्थित बनेगी। इस राशि के कुछ लोगों के पास धन की विशेष वर्षा तो होगी, लेकिन शीघ्र धन हानि भी सम्भव होती है। परिवार में अकाल मृत्यु की भी सम्भावना है, जिससे समस्त लोग शोकाकुल रहेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा नहीं रहेगा। अध्ययन-अध्यापन से च्युत ही रहेंगे। कण्ठस्थ विषयों को भी भूल जायेंगे। शारीरिक तथा मानसिक दोनों प्रकार से रुग्ण होने के कारण पठन-पाठन से दूर रहेंगे। पूर्व अनुभव तथा ज्ञान के द्वारा इस क्षेत्र में आंशिक सफलता प्राप्त करेंगे।

फरवरी

स्वास्थ्य- यह माह स्वास्थ्य के लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। शारीरिक रोगों में वृद्धि होगी। वात, पित्त व मन्दाग्नि रोगों से पीड़ित रहेंगे।

मित्र- मित्रों की विशेष अधिकता रहेगी, किन्तु मित्रों से लाभ की आशा न करें। मित्रों में सम्मान अल्प ही प्राप्त होगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अर्थाभाव की चिन्ता निरन्तर रहेगी। दिए गये धन प्राप्ति में बाधा आयेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के क्षेत्र में सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे। सामाजिक तथा पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- मनोनुकूल तथा स्वास्थ्य वर्धक आहारों के न मिलने मानसिक क्लेश तथा रोगों में वृद्धि भी सम्भव है। आहार का समय अनियमित ही रहेगा।

अध्ययन- यह मास अध्ययन के लिए अनुकूल नहीं रहेगा और शारीरिक विकारों तथा आलस्य के कारण अध्ययन तथा अध्यापन में मन नहीं लगेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे। आरोग्यता की प्राप्ति में सफलता नहीं मिलेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से सफलता नहीं मिलेगी। सन्तानों में व्यय की अधिकता रहेगी। आपसी विरोध भी होगा।

मार्च

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख सामान्य ही रहेगा। वातव्याधि एवं उदर विकार से पीड़ित रहेंगे। औषधियों का सेवन दीर्घकाल तक करना पड़ेगा।

मित्र- मित्रों की विशेष अधिकता रहेगी, मित्रों के आगमन से प्रसन्नता का अनुभव करेंगे, किन्तु मित्रों से लाभ की आशा न करें।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुधार की दशा चलेगी, किन्तु आर्थिक बल द्वारा नवीन कार्यों में सफलता नहीं प्राप्त कर पायेंगे।

प्रतिष्ठा- उत्तम मान-प्रतिष्ठा मिलेगी। पारिवारिक जनों से प्रतिष्ठा कम मिलेगी। बाहरी लोगों से धन-प्रतिष्ठा दोनों की प्राप्ति होगी।

आहार- मनोनुकूल आहार नहीं कर पायेंगे। एक स्थान पर स्थाई न होने से कई स्थानों पर आहार ग्रहण करना पड़ेगा जिससे स्वास्थ्य में विकार सम्भव है।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में कुछ रुचि रहेगी। अध्ययन तथा ज्ञान द्वारा यश-मान तथा अर्थोपलब्धि प्राप्त करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के शारीरिक स्वास्थ्य में कुछ कमी रहेगी। औषधियों द्वारा भी लाभ की आशा कम रहेगी। धन का व्यय अधिक करना पड़ेगा।

सन्तान- सन्तान के प्रति निराशा की भावना रहेगी। उनके भविष्य तथा आरोग्यता को लेकर चिन्तित रहेंगे।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार की स्थिति बनेगी, किन्तु औषधियों का दुष्प्रभाव भी पड़ेगा, अतः औषधियों के सेवन में सावधानी रखें।

मित्र- मित्रों के साथ भ्रमण तथा भोजन करेंगे। मित्रों से लाभ की सम्भावना रहेगी। मित्रों के साथ किसी कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। कुछ अंशों में आर्थिक क्षति होने के कारण तनावग्रस्त रहेंगे, पर अन्त समय में सुधार की स्थिति बनेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय सौभाग्य सूचक रहेगा। अच्छे आचार-व्यवहार के कारण लोगों के मन को आकर्षित कर प्रतिष्ठा के योग्य बनेंगे।

आहार- आहार की स्थिति अच्छी रहेगी। मनोनुकूल आहार ग्रहण करके आत्मसन्तुष्टि होगी, स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रसन्नता भी होगी।

अध्ययन- अध्ययन के क्षेत्र में समय अच्छा नहीं रहेगा। अध्ययन तथा अध्यापन से विमुख ही रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। स्वास्थ्य सुधार में सन्देह रहेगा।

सन्तान- सन्तान लोग विकास करेंगे। माता-पिता की सेवा में तत्पर रहेंगे। पुत्रों की मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में विकार की अधिकता रहेगी। रोगों का समूल नाश होना सम्भव नहीं रहेगा। नियम-संयम एवं औषधियों के द्वारा शान्ति मिलेगी।

मित्र- मित्रों की विशेष अधिकता रहेगी, मित्रों के आगमन से अतीव प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के स्वागत में धन व्यय होगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। पूर्व ऋण का भुगतान करने में सफल रहेंगे। भोजन, वस्त्र तथा भवनसुख में कोई कमी नहीं रहेगी।

प्रतिष्ठा- मान-सम्मान के उत्तम पात्र बनेंगे। लोगों के मध्य वर्चस्व स्थापित कर प्रतिष्ठा में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आहार- मनोनुकूल तथा स्वास्थ्य वर्धक आहारों की प्राप्ति होगी, जिससे शारीरिक-मानसिक सुखों में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन तथा अध्यापन के क्षेत्र में यह माह अनुकूल नहीं रहेगा। अध्ययन तथा अध्यापन से विमुख ही रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ी रहेगी। उदर विकार, पेट व कमर दर्द से पीड़ित रहेगी।

सन्तान- पुत्रों की उन्नति होगी। सत्य दिशा मार्ग पर चलेंगे। आंशिक रोगों का सामना करना पड़ सकता है, किन्तु थोड़े ही समय में निदान सम्भव है।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख मध्यम रहेगा। नियम-संयम एवं औषधियों के द्वारा रोगों में सुधार होगा।

मित्र- मित्र गणों द्वारा सुख-शान्ति की प्राप्ति होगी। मित्रों के साथ सत्संग में भाग लेंगे। उनसे लाभ की स्थिति बनेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुधार की दशा आयेगी। शनैः-शनैः आर्थिक सम्पन्नता के कारण भौतिक सुखों की प्राप्ति करेंगे।

प्रतिष्ठा- यश-मान-प्रतिष्ठा के क्षेत्र में हानि का अनुभव करेंगे। मान कम अपमान अधिक रहेगा।

आहार- उचित आहार न मिलने से मानसिक व्यथा का समाना करना पड़ेगा। कुछ अतिसार की भी सम्भावना रहेगी, किन्तु अल्प समय में ही लाभ होगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन से विमुख ही रहेंगे। अध्ययन तथा अध्यापन के क्षेत्र में यह माह अनुकूल नहीं रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी स्वास्थ्य में सुधार की स्थिति आयेगी। पति-पत्नी में परस्पर प्रेम बढ़ेगा। सर्वदा सामंजस्य का भाव बना रहेगा।

सन्तान- धार्मिक प्रवृत्ति में सन्तानों की रुचि बढ़ेगी। धर्म-अधर्म को भली-भाँति समझेंगें माता-पिता की मर्यादाओं को उन्नति की ओर ले जायेंगे। पुत्रों से माता को सन्तुष्टि मिलेगी।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। धीरे-धीरे रोगों की शान्ति होगी। दूषित आहारों का परित्याग करें।

मित्र- मित्रों से भेंट तथा वार्तालाप होगी। मित्रों का आर्थिक और शारीरिक योगदान प्राप्त करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुधार की दशा चलेगी। किन्तु व्यय भार के कारण दुःख प्रकट करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में धीरे-धीरे वृद्धि होगी। प्रतिष्ठा के लिए यह समय अच्छा है। प्रतिष्ठा को चिरस्थाई बनाने का प्रयत्न करें।

आहार- उचित तथा लाभदयक आहारों में कमी रहेगी, जिससे रोग क्षमता में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन के लिए यह माह अच्छा रहेगा। अध्ययन तथा अध्यापन के प्रति झुकाव रहेगा। आस्तिक भाव में वृद्धि होगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य में निखार आयेगा। शारीरिक सबलता बढ़गी। सामंजस्य में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों के लिए समय कुछ हानिप्रद रहेगा। धर्म तथा शास्त्र के विपरीत आचरण करेंगे। माता-पिता को कष्ट की अनुभूति होगी।

अगस्त

स्वास्थ्य- तन-मन से अस्वस्थ रहेंगे। वात तथा उदर विकार की अधिकता रहेगी।

मित्र- मित्रों की अधिकता रहेगी, किन्तु कुछ ही मित्रों से लाभ की दशा बनेगी। मित्रों के बीच अपमान जनक स्थिति भी आ सकती है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आय के अनुसार वृद्धि नहीं रहेगी और आप धन का सही उपयोग भी नहीं कर पायेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा तथा यश के क्षेत्र में कमी रहेगी। लोगों के बीच अपमानित होंगे, अतः किसी प्रकार मान-प्रतिष्ठा की रक्षा करें।

आहार- उचित तथा मनोनुकूल आहार न मिलने से हार्दिक क्लेश प्रकट करेंगे। शारीरिक रोगों में कुछ वृद्धि भी सम्भव है।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह समय अच्छा नहीं है। किसी भी प्रकार के ज्ञान तथा अध्ययन में रुचि नहीं रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा, रोगों के प्रति अधिक धन का व्यय करना पड़ेगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष से अनुकूलता नहीं प्राप्त होगी। सन्तानों में परस्पर विरोध ही रहेगा और उनसे माता-पिता को भी अपमान का सामना करना पड़ सकता है।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख में कुछ कमी रहेगी। कभी रोगों में अल्पता तो कभी वृद्धि होगी। रोगों का समूल नष्ट होना असम्भ रहेगा।

मित्र- मित्रों में विशेष व्यय की स्थिति बनेगी। मित्रों के बीच हँसी का पात्र बनेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। रोगों तथा दुर्घटनाओं में धन अधिक व्यय होगा। धन के प्रति चिन्ता रहेगी।

प्रतिष्ठा- सहसा मान-प्रतिष्ठा में हानि की स्थिति बनेगी। मान-प्रतिष्ठा में अल्पता आयेगी।

आहार- आहार-विहार के लिए समय अच्छा नहीं प्रतीत हो रहा है। मनोनुकूल आहार मिलने की सम्भावना नहीं है।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह माह भी अच्छा नहीं है। किसी भी प्रकार के ज्ञान तथा अध्ययन में रुचि नहीं रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य हेतु किए गये समस्त उपाय निरर्थक सिद्ध होंगे। रोगों की शान्ति होगी। सामंजस्य का अभाव रहेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से अनुकूलता नहीं प्राप्त होगी। सन्तानों में परस्पर विरोध ही रहेगा और उनसे माता-पिता को मानसिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख में सुधार की स्थिति आयेगी। रोगों का शमन होगा। मानसिक प्रसन्नता आयेगी।

मित्र- मित्रों के साथ परस्पर वार्तालाप चलेगा। मित्रों में निन्दा तथा अपयश की स्थिति आयेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। अर्थाभाव के कारण भौतिक सुख सम्बन्धी साधनों में कमी आयेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अनुकूल रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में आंशिक सुधार आयेगा, किन्तु सुधार के बाद स्थिति पूर्ववत ही रहेगी।

आहार- उत्तम आहार की प्राप्ति में सफल रहेंगे। मनोनुकूल आहार मिलने के कारण सन्तुष्टि प्राप्त करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में आंशिक सफलता मिलेगी। शास्त्रों तथा अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य में सुधार नहीं आयेगा।

सन्तान- सन्तानों में जीवन के प्रति सक्रियता आयेगी। भविष्य के प्रति चिन्तित होकर विकास करेंगे।

नवम्बर

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में आशातीत सुधार होगा, किन्तु समूल रोगों का विनाश होना सम्भव नहीं रहेगा। नियम-संयम एवं औषधियों के द्वारा रोगों का शमन होगा।

मित्र- अकस्मात् मित्रों के साथ सहचर्य स्थापित करेंगे। मित्रों के सम्बन्ध में प्रगाढ़ता दिखायेंगे। परस्पर सुख की अनुभूति होगी। मित्रों के साथ भ्रमण तथा आहार का आनन्द लेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में समानता रहेगी। माह का पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध दोनों ही समान रहेगा।

प्रतिष्ठा- समाज में मान-यश-प्रतिष्ठा में कमी रहेगी। पारिवारिक और सामाजिक जनों द्वारा भी सम्मान के पात्र नहीं बनेंगे, जिससे हार्दिक कष्ट होगा।

आहार- मनोनुकूल आहार प्राप्त करेंगे। विविध आहार तथा मिष्ठान्नों का सेवन करके सुख की अनुभूति करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में निपुणता दिखायेंगे। शास्त्रों-पुराणों का अध्ययन करके ज्ञानार्जन में लगे रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य में सुधार नहीं आयेगा। परस्पर स्नेह में स्थिरता नहीं रहेगी।

सन्तान- सन्तानों के भविष्य निर्मल तथा सुखद दिखाई देंगे। माता-पिता की सेवा करने की प्रवृत्ति जागृत होगी। अनाचार से भयभीत रहेंगे।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख में प्रतिकूलता रहेगी। वात-पित्त-कफ इन तीनों रोगों से प्रभावित रहेंगे।

मित्र- मित्रों के साथ अच्छे सम्बन्ध रहेंगे, किन्तु मित्रों से धोखा होने की स्थिति ही आयेगी। लाभ की स्थिति अल्प ही रहेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुधारात्मक रहेगी। धीरे-धीरे बिगड़ी हुई स्थिति में सुधार आयेगी और भौतिक सुखों की प्राप्ति करने में समर्थ होंगे।

प्रतिष्ठा- प्रतिष्ठा के लिए प्रयास करने पड़ेंगे। जहाँ कहीं भी जायेंगे या भ्रमण करेंगे, मान-प्रतिष्ठा में हानि ही उठायेंगे।

आहार- नियमित तथा पुष्टिदायक आहार के कारण शारीरिक तथा मानसिक विकास सम्भव है। नियमित आहार द्वारा रोगों में कमी आयेगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह समय अच्छा है। रहस्यमयी विद्याओं के अध्ययन द्वारा यश-सम्मान की प्राप्ति करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा, विविध औषधियों तथा संयमों का नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. शीतकारक एवं मन्दाग्नि वर्धक वस्तुओं का सेवन न करें।

२. नारी निन्दा से बचें। अधिक भ्रमण न करें।

३. चावल, चीनी, आलू, मीठे पदार्थ का सेवन न करे।

४. राहु दोष की शान्ति हेतु ‘‘ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः’’ मन्त्र का जप नियमित ब्रह्मचर्य के साथ ११ माला अवश्य करें और इसी मन्त्र से बुधवार के दिन सूर्यास्त के बाद दूर्वा से १०८ बार हवन करें।

५. शनिवार के दिन दो काला जामुन अपने शरीर पर से ११ बार उतार कर किसी विकलांग व्यक्ति को दक्षिणा के साथ प्रदान करें।

६. शनि की शान्ति के लिए ‘‘ॐ खां खीं खौं सः शनैश्चराय नमः’’ मन्त्र का जप करें तथा शनिवार के दिन इसी मन्त्र से शमी की लकड़ी से १०८ बार हवन करें।

७. शनिवार अथवा मंगलवार के दिन सुन्दर काण्ड अथवा हनुमान चालीसा का पाठ भी करें।

८. शनिवार के दिन हनुमान जी का दर्शन अवश्य करें और ‘‘ॐ राम दूताय विद्यमहे कपिराजाय धीमहि तन्नो हनुमान प्रयोदयात्’’ मन्त्र का एक माला का जप अवश्य करें।